

## नवभारत

संस्थापक : स्व. रामगोपाल माहेश्वरी | प्रेरणा स्रोत : स्व. प्रफुल्ल माहेश्वरी

## व्यक्तिगत स्वतंत्रता का नया अध्याय

सर्वोच्च न्यायालय का हालिया निर्णय, जिसमें हर गिरफ्तारी का कारण लिखित रूप से देना अनिवार्य ठहराया गया है दरअसल, भारतीय लोकतंत्र में व्यक्तिगत स्वतंत्रता की रक्षा को नई ऊंचाई देता है. 'मिहिर राजेश शाह बनाम महाराष्ट्र राज्य' मामले से उपाजा यह फैसला केवल एक चर्चित दुर्घटना से जुड़ा न्यायिक हस्तक्षेप नहीं, बल्कि पूरे आपराधिक न्याय तंत्र की संरचना को अधिक पारदर्शी, अधिक जवाबदेह और अधिक मानवीय बनाने वाला ऐतिहासिक कदम है.

भारतीय संविधान का अनुच्छेद 22(1) लंबे समय से यह सुनिश्चित करता आया है कि किसी भी नागरिक को उसकी गिरफ्तारी के कारणों से अवगत कराया जाए. लेकिन व्यवहारिक दुनिया में यह अधिकार अक्सर मौखिक जानकारी, अस्पष्ट शब्दों और पुलिस की सुविधानुसार की गई व्याख्याओं के बीच खो जाता था. अदालत ने इस बुनियादी अधिकार को व्यावहारिक धरातल पर मजबूत

करने का जो निर्णय लिया है, उससे स्पष्ट संदेश जाता है कि मौलिक अधिकार केवल सिद्धांत नहीं, बल्कि अमल में उतारी जाने वाली संकल्पना है. न्यायालय ने कहा है कि गिरफ्तारी चाहे किसी भी कानून के तहत हो, चाहे दंड संहिता हो या नया भारतीय न्यायिक संहिता 2023, गिरफ्तार व्यक्ति को गिरफ्तारी का आधार लिखित रूप में दिया ही जाना चाहिए. यह जानकारी उस भाषा में होनी चाहिए जिसे आरोपी समझ सके. अदालत ने गिरफ्तारी के क्षण को आदर्श माना है, और यह किसी कारणवश वह संभव न हो, तो कम से कम मजिस्ट्रेट के सामने पेश करने से दो घंटे पहले यह लिखित कारण उपलब्ध कराना अनिवार्य होगा. इस आदेश की असली शक्ति उसके परिणामों में निहित है. यदि पुलिस अधिकारी इन दिशानिर्देशों का पालन नहीं

होगी, बेवजह की हिरासतें घटेंगी, और व्यक्ति को अपनी रक्षा करने का अवसर समय पर मिलेगा.

न्यायालय ने स्पष्ट किया है कि ऐसी स्थिति में आरोपी को रिहा करने की स्वतंत्रता होगी. यह प्रावधान पुलिस और जांच एजेंसियों पर कार्तव्य अंकुश के रूप में कार्य करेगा और उन्हें गिरफ्तारी के निर्णय में अधिक सावधानी और विवेक अपनाने के लिए बाध्य करेगा. यह फैसला बताता है कि राज्य की शक्ति लोगों की स्वतंत्रता को कुचलने का हथियार नहीं बन सकती. यह भी महत्वपूर्ण है कि अदालत ने गिरफ्तारी के लिखित कारण देने को केवल तकनीकी औपचारिकता नहीं माना, बल्कि एक ऐसा साधन बताया है जो आरोपी को तुरंत कानूनी सहायता लेने में सक्षम बनाता है. जब गिरफ्तारी का आधार स्पष्ट होगा, तब न्याय प्रक्रिया में देरी कम

पिच से लेकर मेट तक

## खेल सशक्तिकरण के एक नए युग की पटकथा लिख रही हैं महिलाएं



जब पूरा देश भारतीय महिला क्रिकेट टीम की ऐतिहासिक वर्ल्ड कप जीत का जश्न मना रहा है, उसी समय एक और खेल चर्चा में आने को तैयार है- महिला कुश्ती. को इस बड़ी जीत से कुछ दिन पहले ही, प्रो रसेलिंग लीग की वापसी की आधिकारिक घोषणा नई दिल्ली में एक शानदार प्रेस कॉन्फ्रेंस में की गई. यह लीग जनवरी 2026 से शुरू होगी. इन दोनों उपलब्धियों ने मिलकर भारतीय खेलों में एक नया दौर शुरू किया है, जहाँ महिला खिलाड़ी अब हर मैदान पर देश की शान बढ़ा रही हैं और सफलता की नई कहानियाँ लिख रही हैं.

प्रो रसेलिंग लीग 2026: एक नई शुरुआत फिर से शुरू हो रही प्रो रसेलिंग लीग एक बार फिर कुश्ती को चर्चा के केंद्र में लाने जा रही है. यह लीग अब और भी आधुनिक, पेशेवर और महिला-पुरुष दोनों खिलाड़ियों के लिए समान अवसरों वाली होगी. भारतीय कुश्ती महासंघ के सहयोग से यह लीग आईपीएल जैसी फ्रेंचआइजी प्रणाली पर आधारित होगी, जिसमें भारत के साथ-साथ विदेशी खेलवान भी मुकाबला करेंगे. लॉन्च के दौरान डब्ल्यूएफआई के प्रवक्ता ने कहा, पीडब्ल्यूएल की वापसी सिर्फ मनोरंजन के लिए नहीं है, बल्कि यह भारत की महिला खेलवानों को दुनिया के मंच पर अपनी पहचान बनाने का मौका देगी.

हमारी महिला क्रिकेट टीम की शानदार सफलता के बाद, अब कुश्ती भारत की खेल क्रांति का अगला अध्याय लिखने के लिए तैयार है. महिलाओं की भागीदारी पर विशेष ध्यान प्रो रसेलिंग लीग 2026 की सबसे खास बात यह है कि यह लीग महिला खिलाड़ियों की भागीदारी

और नेतृत्व को बढ़ावा देने पर खास ध्यान देगी. यह पहल महिलाओं को न सिर्फ खेलवानों के अखाड़े में, बल्कि खेल के हर स्तर पर आगे बढ़ने का अवसर देगी. लीग आयोजकों ने यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्धता जताई है- हर टीम में महिला खिलाड़ियों को बराबर प्रतिनिधित्व मिलेगा.

महिला मुकाबलों का प्रसारण प्राइम टाइम में उपलब्धियों ने मिलकर भारतीय खेलों में एक नया दौर शुरू किया है, जहाँ महिला खिलाड़ी अब हर मैदान पर देश की शान बढ़ा रही हैं और सफलता की नई कहानियाँ लिख रही हैं.

प्रो रसेलिंग लीग 2026: एक नई शुरुआत फिर से शुरू हो रही प्रो रसेलिंग लीग एक बार फिर कुश्ती को चर्चा के केंद्र में लाने जा रही है.

यह लीग अब और भी आधुनिक, पेशेवर और महिला-पुरुष दोनों खिलाड़ियों के लिए समान अवसरों वाली होगी. भारतीय कुश्ती महासंघ के सहयोग से यह लीग आईपीएल जैसी फ्रेंचआइजी प्रणाली पर आधारित होगी, जिसमें भारत के साथ-साथ विदेशी खेलवान भी मुकाबला करेंगे. लॉन्च के दौरान डब्ल्यूएफआई के प्रवक्ता ने कहा, पीडब्ल्यूएल की वापसी सिर्फ मनोरंजन के लिए नहीं है, बल्कि यह भारत की महिला खेलवानों को दुनिया के मंच पर अपनी पहचान बनाने का मौका देगी.

हमारी महिला क्रिकेट टीम की शानदार सफलता के बाद, अब कुश्ती भारत की खेल क्रांति का अगला अध्याय लिखने के लिए तैयार है. महिलाओं की भागीदारी पर विशेष ध्यान प्रो रसेलिंग लीग 2026 की सबसे खास बात यह है कि यह लीग महिला खिलाड़ियों की भागीदारी

क्रिकेट की प्रेरणा, कुश्ती का अवसर भारतीय महिला क्रिकेट टीम की विश्व कप जीत ने प्रशंसकों और प्रायोजकों की नजर में महिला खिलाड़ियों की छवि को एक नई पहचान दी है. खेल विशेषज्ञों का मानना है कि यह जोश अब महिला कुश्ती तक भी पहुँचेगा, जिससे प्रो रसेलिंग लीग में कॉरपोरेट निवेश, विज्ञापन और दर्शकों की बढ़ती दिलचस्पी के नए अवसर खुलेंगे. पहले से ही भारत के पास साक्षी मलिक, अमित पंधाल और विनेश फोगाट जैसी विश्वस्तरीय खेलवान हैं. ऐसे में देश में कुश्ती के लिए एक बड़ा मोड़ साबित हो सकती है - जो इस पारंपरिक ग्रामीण खेल को बदलकर राष्ट्रीय स्तर का प्राइम-टाइम खेल बना देगी. जमीनी स्तर पर सशक्तिकरण और व्यापक दृष्टिकोण पीडब्ल्यूएल के पुनरुद्धार का मकसद सिर्फ खेल को दोबारा लोकप्रिय बनाना नहीं, बल्कि उसका विकास एक लक्ष्य भी है.

## वंदे मातरम्- सांस्कृतिक राष्ट्रवाद की प्रथम उद्घोषणा



अमित शाह

हमारे देश के इतिहास में ऐसे कई अहम पड़ाव आए, जब गीतों, कलाओं ने अलग-अलग रूपों में लोक भावनाओं को सहेजकर आंदोलन को आकार देने में अहम भूमिका निभाई. चाहे छत्रपति शिवाजी महाराज जी को सेना के युद्धगीत हों, आजाद के आंदोलन में सेनानियों के गान या आजादकाल के विरुद्ध युवाओं के सामूहिक गीत, गीतों ने भारतीय समाज को स्वाभिमान की प्रेरणा भी दी और एकजुट भी बनाया.

ऐसा ही है भारत का राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम्', जिसका इतिहास किसी युद्धभूमि से नहीं, बल्कि एक विद्वान बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय जी के शांत लेकिन अडिग संकल्प से शुरू होता है. सन् 1875 में, जगद्वन्नी पूजा (कार्तिक शुक्ल नवमी या अक्षय नवमी) के दिन, उन्होंने उन स्तोत्रों की रचना की जो भारत की स्वतंत्रता का शाश्वत गीत बन गया. इन पवित्र शब्दों को लिखते हुए, वे भारत को गहनतम सभ्यतागत जड़ों से प्रेरणा ले रहे थे. अथर्ववेद के उद्गोष माता भूमि-पुत्रो अहं पृथिव्या- से लेकर देवी महात्म्य में विश्वमाता के आह्वान से प्रेरणा ले रहे थे.

बंकिम बाबू का यह मंत्र, प्रार्थना भी था

आज जब हम भारत परवर्तमान रहे हैं और सरदार पटेल की जयंती पर उन्हें श्रद्धापूर्वक स्मरण कर रहे हैं, तो यह भी याद करते हैं कि कैसे सरदार साहब ने 'एक भारत' का निर्माण कर 'वंदे मातरम्' की भावना को ही मूर्त रूप दिया था. यह गीत केवल अतीत का स्मरण मात्र नहीं, बल्कि भविष्य के लिए एक आह्वान भी है. 'वंदे मातरम्' आज भी विकसित भारत 2047 के हमारे संकल्प में प्रेरणा दे रहा है. यह भारत के सभ्यतागत आत्मविश्वास का प्रतीक है. अब, इस भावना को आत्मनिर्भर और श्रेष्ठ भारत में परिवर्तित करना हमारी जम्बिदारी है. 'वंदे मातरम्' स्वतंत्रता का गीत है, अटूट संकल्प की भावना है, और भारत के जागरण का प्रथम मंत्र है. राष्ट्र की आत्मा से जन्मे शब्द कभी समाप्त नहीं होते - वे सदैव जीवित रहते हैं, पीढ़ियों तक गुंजते रहते हैं. यह जयघोष युगों और पीढ़ियों में अतन्तकाल तक प्रतिध्वनित होता रहेगा. समय आ गया है कि हम अपने इतिहास, अपनी संस्कृति, अपनी मान्यताओं और अपनी परंपराओं को भारतीयता की दृष्टि से देखें.

आज जब हम भारत परवर्तमान रहे हैं और सरदार पटेल की जयंती पर उन्हें श्रद्धापूर्वक स्मरण कर रहे हैं, तो यह भी याद करते हैं कि कैसे सरदार साहब ने 'एक भारत' का निर्माण कर 'वंदे मातरम्' की भावना को ही मूर्त रूप दिया था. यह गीत केवल अतीत का स्मरण मात्र नहीं, बल्कि भविष्य के लिए एक आह्वान भी है. 'वंदे मातरम्' आज भी विकसित भारत 2047 के हमारे संकल्प में प्रेरणा दे रहा है. यह भारत के सभ्यतागत आत्मविश्वास का प्रतीक है. अब, इस भावना को आत्मनिर्भर और श्रेष्ठ भारत में परिवर्तित करना हमारी जम्बिदारी है. 'वंदे मातरम्' स्वतंत्रता का गीत है, अटूट संकल्प की भावना है, और भारत के जागरण का प्रथम मंत्र है. राष्ट्र की आत्मा से जन्मे शब्द कभी समाप्त नहीं होते - वे सदैव जीवित रहते हैं, पीढ़ियों तक गुंजते रहते हैं. यह जयघोष युगों और पीढ़ियों में अतन्तकाल तक प्रतिध्वनित होता रहेगा. समय आ गया है कि हम अपने इतिहास, अपनी संस्कृति, अपनी मान्यताओं और अपनी परंपराओं को भारतीयता की दृष्टि से देखें.

आज जब हम भारत परवर्तमान रहे हैं और सरदार पटेल की जयंती पर उन्हें श्रद्धापूर्वक स्मरण कर रहे हैं, तो यह भी याद करते हैं कि कैसे सरदार साहब ने 'एक भारत' का निर्माण कर 'वंदे मातरम्' की भावना को ही मूर्त रूप दिया था. यह गीत केवल अतीत का स्मरण मात्र नहीं, बल्कि भविष्य के लिए एक आह्वान भी है. 'वंदे मातरम्' आज भी विकसित भारत 2047 के हमारे संकल्प में प्रेरणा दे रहा है. यह भारत के सभ्यतागत आत्मविश्वास का प्रतीक है. अब, इस भावना को आत्मनिर्भर और श्रेष्ठ भारत में परिवर्तित करना हमारी जम्बिदारी है. 'वंदे मातरम्' स्वतंत्रता का गीत है, अटूट संकल्प की भावना है, और भारत के जागरण का प्रथम मंत्र है. राष्ट्र की आत्मा से जन्मे शब्द कभी समाप्त नहीं होते - वे सदैव जीवित रहते हैं, पीढ़ियों तक गुंजते रहते हैं. यह जयघोष युगों और पीढ़ियों में अतन्तकाल तक प्रतिध्वनित होता रहेगा. समय आ गया है कि हम अपने इतिहास, अपनी संस्कृति, अपनी मान्यताओं और अपनी परंपराओं को भारतीयता की दृष्टि से देखें.

आज जब हम भारत परवर्तमान रहे हैं और सरदार पटेल की जयंती पर उन्हें श्रद्धापूर्वक स्मरण कर रहे हैं, तो यह भी याद करते हैं कि कैसे सरदार साहब ने 'एक भारत' का निर्माण कर 'वंदे मातरम्' की भावना को ही मूर्त रूप दिया था. यह गीत केवल अतीत का स्मरण मात्र नहीं, बल्कि भविष्य के लिए एक आह्वान भी है. 'वंदे मातरम्' आज भी विकसित भारत 2047 के हमारे संकल्प में प्रेरणा दे रहा है. यह भारत के सभ्यतागत आत्मविश्वास का प्रतीक है. अब, इस भावना को आत्मनिर्भर और श्रेष्ठ भारत में परिवर्तित करना हमारी जम्बिदारी है. 'वंदे मातरम्' स्वतंत्रता का गीत है, अटूट संकल्प की भावना है, और भारत के जागरण का प्रथम मंत्र है. राष्ट्र की आत्मा से जन्मे शब्द कभी समाप्त नहीं होते - वे सदैव जीवित रहते हैं, पीढ़ियों तक गुंजते रहते हैं. यह जयघोष युगों और पीढ़ियों में अतन्तकाल तक प्रतिध्वनित होता रहेगा. समय आ गया है कि हम अपने इतिहास, अपनी संस्कृति, अपनी मान्यताओं और अपनी परंपराओं को भारतीयता की दृष्टि से देखें.

## वैश्विक भूख मिटाने के लिए भारत रोल मॉडल

देश के 80 करोड़ से ज्यादा लोगों को मुफ्त अनाज देने वाला भारत भूख की समस्या से निपटने के लिए पूरी दुनिया के लिए रोल मॉडल है. यह विचार 'शेयर योर स्ट्रेथ' के सहसंस्थापक बिली शोर ने व्यक्त करते हुए कहा कि अमेरिका की ट्रॉप सारकर ने 'स्नेप' कार्यक्रम बंद कर जरूरतमंद लोगों को मुफ्त में अनाज, किराना, दूध व जरूरी वस्तुएं देना बंद कर दिया. पहले ऐसे लाखों लोगों को फूड स्टैम दिग जाते थे और उनके क्रेडिट कार्ड में इसके लिए रकम कटौती जाती थी. भारत में स्थानीय प्रतिभा तथा नवोन्मेष ने भूख की चुनौती से निपटने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है. भारत के दानशील प्रवृत्ति के लोगों ने अनेक स्टार्टअप शुरू किए हैं जिसमें लाखों बच्चों को प्रतिदिन निशुल्क खाना मिलता है. भारत में भूख मिटाने के लिए अनेक देशों के लिए अनुसंधान का विषय है. स्वयं बिल गेट्स ने एक बार कहा था कि विश्व के सामने कुपोषण बहुत बड़ी चुनौती है. जहां तक इससे निपटने की बात है, भारत को इस संबंध में वैश्विक नेता मानना पड़ेगा. बिली शोर के मूलाधिक युद्ध का हमेशा भूख से संबंध नहीं होता. अमेरिका में कोई युद्ध नहीं है, अकाल भी नहीं पड़ रहा है, लेकिन फिर भी भूख की समस्या है. गाजा में भूख का संकट मानव निर्मित है. भूख को



विश्व के हर देश को ऐसे संगठनों से सीख लेनी चाहिए. आज दुनिया के देश परस्पर आ गए हैं. वह एक-दूसरे के अनुभव से काफी लाभ उठा सकते हैं. गरीबी, साधनहीनता, शिक्षा व अवसरों की कमी की वजह से भी भूख की समस्या बढ़ती है. मानवीयता इसी में है कि किसी को भी भूख न रहने दिया जाए.

हथियार बनाया युद्ध अपराध है. अमेरिका स्नेप प्रोग्राम बंद करके यही कर रहा है. अफ्रीका और हेती में लोग भूख से मर रहे हैं. भारत में अक्षयपात्र और अनूपणा जैसे संगठन स्कूली छात्रों को भोजन दे रहे हैं. विश्व के हर देश को ऐसे संगठनों से सीख लेनी चाहिए. आज दुनिया के देश परस्पर आ गए हैं. वह एक-दूसरे के अनुभव से काफी लाभ उठा सकते हैं. गरीबी, साधनहीनता, शिक्षा व अवसरों की कमी की वजह से भी भूख की समस्या बढ़ती है. मानवीयता इसी में है कि किसी को भी भूख न रहने दिया जाए.

संपादकीय बोर्ड | प्रबंध संपादक : सुमीत माहेश्वरी, समूह संपादक : क्रांति चतुर्वेदी

शब्द-सागर : डॉ. सागर खादीवाला

CROSS WORD 12074 - डॉ. सागर खादीवाला

1	2	3	4	5
6	7			
8	9		10	
11		12		13
14		15		16
	17			
18	19	20		21
	22			23

देर लगाना, झगड़ना, कुढ़ना 22. झंडा, पताका (उर्दू) 23. जल रहित भूमि, मैदान, स्थान ऊपर से नीचे 1. पांचों उंगलियों सहित हथेली या पैर का अगला भाग (उर्दू) 2. चलता हुआ, चंचल 3. भय, चिंता, व्याकुलता (सं.) 4. सुंदर (उर्दू) 5. स्नान कराना 9. लोहे या काठ की मेख, नाक का एक आभूषण 11. कुचली हुई चीज 12. समुद्र में जाने वाला (सं.) 13. फिर (सं.) 15. साधु, महात्मा, ईश्वर भक्त 16. राजा का रथ 17. भीतर 19. जल-जुतु का कड़ा खोल जिसके तथान आदि बनते हैं 21. गंधाशयन बनाम शंभुशु को नाभि से जुड़ी रहने वाली नली

बाएं से दाएं 1. गिलास के आकार का बड़े मुंह का बर्तन जो पूजा में जल रखने के काम आता है, वह श्राद्ध जिसमें पांच पात्रों को रखकर भोग लगाया जाता है (सं.) 4. रक्त, लहू, हत्या (उर्दू) 6. मकड़ी का बुना हुआ जाल 7. जो सदा फूलें, जो सदा हरा रहे 8. विश्वास, एतबार (उर्दू) 10. निर्जन, जहाँ कोई न हो 11. अनोखा काम, निपुणता (उर्दू) 12. निष्कर्ष, सत्, अर्क (सं.) 14. आटा, पिसान, चूर्ण 15. पथर गढ़ने या काटने वाला कारीगर (उर्दू) 17. फासला, भेद, फरक 18. प्रासक, किसी वस्तु के प्राण होने पर प्रमाण स्वरूप लिखा हुआ पत्र (उर्दू) 20.

Solution 12073

उ	ता	व	ली	मो	र
खं	म	मे	ह	म	न
र	ह	न	स	ह	न
ता	व	ज	न	पा	र
न	या	ग	त	ता	
स	द	आ	ल	म	
ये	त	न	भो	गी	मं
रा	ब	ला	भं	पा	र

## ज्योतिषाचार्य प्रियंका नारायणशंकर व्यास, कोतवाली बाजार, जबलपुर (म.प्र.)

आज जिनका जन्मदिन है

वर्ष के प्रारंभ में व्यर्थ की यात्राओं में धन व्यय होगा, मानसिक उलझन रहेगी, शत्रु पक्ष प्रबल रहेगा, वर्ष के मध्य में व्यक्तिगत संबंधों में सुधार होगा, सामाजिक कार्यों में व्यक्तियों को मिलेगी, वर्ष के अन्त में व्यर्थ की भागदौड़ से मन तनावग्रस्त रहेगा, दाम्पत्य जीवन सुखमय रहेगा. मेष और वृश्चिक राशि के व्यक्तियों का शत्रु पक्ष प्रबल रहेगा, वृष और तुला राशि के व्यक्तियों का

मेघ- तरकी का अवसर है, जिसे आप चाहते हैं, उससे मन की बात कहें, नौकरियों में सफलता प्राप्त होगी. शुभ समाचार मिलने का योग है. वृषभ- अनुभवी लोगों का साथ सुखद रहेगा, कार्यों को इच्छित सफलता प्राप्त होगी, सामाजिक सम्मान प्राप्त होगा, राजकीय सहयोग से शत्रु बाधा दूर होगी. मिथुन- चरलू कार्य पूरा करने में व्यस्त रहेंगे, कार्यस्थल पर माहौल अनुकूल रहेगा, भौतिक सुख साधनों की प्राप्ति होगी, सामाजिक कार्यों में रूचि रहेगी. कर्क- बातचीत में सावधानी रखें, धैर्य से काम लें, अनावश्यक खर्च से बचना होगा, किसी उत्सव में शामिल होने का योग है, मनोरंजन के कार्यों में सफलता मिलेगी.

सिंह- जीवनसाथी की भावनाओं पर ध्यान दें, पुराना विवाद पक्ष में सुलझेगा, पारिवारिक समस्याओं का सरलता से समाधान होगा, निर्यातितता का ध्यान रखकर कार्य करें. कन्या- योजना लागू करने का सही समय है, नये संपर्कों से लाभ होगा, आकस्मिक धन लाभ का योग है, पारिवारिक कार्यों में सफलता मिलेगी. तुला- जीवनसाथी की मदद से मुश्किल राह आसान होगी, बुजुर्गों का ध्यान रखें, सुख ऐश्वर्य आदि की प्राप्ति हो सकती है, प्रवास का योग है. वृश्चिक- सामाजिक जीवन में बड़ी जिम्मेदारी मिलेगी, प्रियजन की मुलाकात सुखद रहेगी, शिक्षा के क्षेत्र में उन्नति होगी, जमिंधन जायदाद का सुख मिलेगा.

धनु- आप्स के कार्यों की अधिकता रह सकती है, आवेश में फैसला गलत होगा, विरोधी पक्ष के कारण थोड़ी परेशानी हो सकती है. मकर- मित्रों के साथ समय मौजमस्ती में बीतेगा, माता पिता से सहयोग मिलेगा, पारिवारिक जीवन सुखद एवं अनन्ददायक रहेगा, लाभ का योग है. कुम्भ- भवान्तरक संबंधों में मधुरता बढ़ेगी, प्रियजन की मदद से कार्य पूरे होंगे, लंबित कार्यों को पूरा करना ही हितकर रहेगा, अनावश्यक व्ययभार न बढ़ावें. मीन- मधुरवाणी से सबका दिल जीत लेंगे, प्रायर्षी का विवाद हल होगा, धार्मिक कार्यों में यश-मान सम्मान मिलेगा, मित्रता उपयोगी रहेगी.

आज जन्मे शिशु का भविष्य

आज जन्म लिया बालक स्वस्थ, सुन्दर, दुबला, पतला, किन्तु लंबे कद का होगा, इनकी शिक्षा अच्छी होती है, लेखन अध्ययन कार्य में सफलता मिलेगी, आय के एक से अधिक साधन रहेंगे, नौकरी में सफलता प्राप्त होगी, दायित्वों की पूर्ति होगी, माता पिता का भक्त होगा.

उदयकालीन ग्रह चाल

8	के.7 मू.	6	5
9	चं. मू.	कु.	
	10		4
11	रा.	रा.	मं.
	12	2	3

पंचांग

रा.मि. 17 संवत् 2082 मार्गशीर्ष कृष्ण तृतीया शनिवासरं दिन 12/12, मृगशिरा नक्षत्रे रात 3/50, शिव योगे रात 12/35, विधि करणे सू.उ. 6/32, सू.अ. 5/28, चन्द्रचार वृषभ शाम 4/36 से मिथुन, पर्व- सौभाग्य सुदरी व्रत, संकष्टी गणेश चतुर्थी व्रत, शु. रा. 2,4,5,8,9,12 अ.रा. 3,6,7,10,11,1 शुभांक- 4,6,0.

त्यापार भविष्य

मार्गशीर्ष कृष्ण तृतीया को मृगशिरा नक्षत्र के प्रभाव से रूई, कपास, सूत, वस्त्र, नारियल, सुपारी, मेवा, सोना, चांदी, लोहा, तांबा, व शेरार के भाव में मंदी होगी. भाग्यांक 2499 है.

SUDOKU 7206

5	9		3		8	7
8	7	1	5			
		2		9		4
6			2		3	5
3	8	4	1	7	2	9
2	4		6			1
7		3		8		
	3	5	8	7	3	
9	3		2		6	1

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरने वाले आवश्यक हैं. इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है. आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 333 के वर्ण में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें. पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते. पहली का केवल एक ही हल है.

नवभारत सूट्टीक 7205

7	4	8	3	9	2	1	5	6
2	6	9	5	7	1	8	4	3
3	1	5	4	8	6	7	2	9
5	7	4	8	6	9	3	1	2
6	9	1	2	3	4	6	7	5
8	3	2	1	5	7	4	9	8
4	8	7	6	2	5	9	3	1
9	2	6	7	1	3	5	8	4
1	5	3	9	4	8	2	6	7